'ए' अफगान के लिए है, 'के' काश्मीर के लिए है इत्यादि । यह नैशनल ज्योग्राफिकल मैगजीन, जनवरी 1967 का है । इस में काश्मीर को हिन्दुस्तान में नहीं दिखाया गया है । डिक्शनरी मीनिंग पर तो उनका ध्यान गया है लेकिन क्या इसकी तरफ भी गया है ? जितने भी मित्र देश हैं सब ये काम करा रहे हैं । क्या हमने किसी के पास विरोध पत्र भेजा है ? यह जनवरी, 1967 का इशू है ।

Mr. Deputy-Speaker: The question refers to the Oxford Dictionary. This does not arise out of this.

Shri Swaran Singh: I would require notice.

Mr. Deputy-Speaker: We proceed to the next question. The hon. Minister has said that he wants notice; it is outside the purview of this question.

Production of T.V. Sets

***724. Shri Madhu Limaye:**
Shri S. M. Banerjee:
Dr. Ram Manohar Lohia:
Shri George Fernandes:

Will the Minister of Defence be pleased to state:

(a) the total outlay that the three T.V. Set Manufacturing Companies have made|propose to make, to fulfil the production targets sanctioned by the Government; and

(b) the import and foreign exchange content of this outlay?

The Minister of State in the Ministry of Defence (Shri B. R. Bhagat): (a) and (b). Two firms have been licensed so far for the manufacture of 10,000 TV Receiver Sets each per year with indigenous know-how. The capital outlay for these two projects is expected to be Rs. 50-60 lakhs including foreign exchange content of approximately Rs. 20 lakhs.

श्री मधु लिमये : इसके बारे में एक अर्से से परस्पर विरोधी बातें कही जा रही हैं । कुछ दिन पहले मेरा ख्याल है अप्रैल में कहा गया था कि पिलानी में यह जो चित्रवाणी सेट बनता है उसका बीस प्रतिशत हिस्सा विदेशों से आता है । बाद में कहा गया कि जो टी० वी० सेट्स बनाये जायेंगे उनका दस प्रतिशत हिस्सा विदेशों से आएगा । सरकार के द्वारा जो बयान निकला है उस में कहा गया है कि एक टी० वी० सैट के पीछे 27 रुपये के पुर्जे विदेशों से मंगाये जायेंगे । क्या मंत्री महोदय इसके बारे में सदन को कोई निश्चित जानकारी देंगे कि जो टी० वी० सेट बनाये जायेंगे उनका मूल्य क्या रहेगा, उनमें कितने पुर्जे आदि विदेशी होंगे ? अगर वह कोई विवरण देंगे तो उन की बड़ी मेहरबानी होगी ।

श्री ब० रा० भगत : पिलानी में जो सेट बनाया गया है उसी के आधार पर ये लाइसेंस दिय गये हैं इन दोनों फर्मों को । काउंसिल आफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च ने जिस के मातहत पिलानी की भी लैबोरेटरी है, कहा है कि शुरू में 250 रुपये पर सेट के हिसाब से विदेशी मुद्रा लगेगी और 19 इंच का जो सेट है वह 1350 रुपये का और 23 इंच का जो सेट है वह 1500 रुपये का होगा । जैसे जैसे हम कम्पोनेंट्स बनाते जायेंगे जैसे पिक्चर ट्यूबज है या दूसरे कम्पोनेंट हैं तो यह सौ रुपये तक कम हो जाएगी । उसके बाद जिन रा मैटीरियल्ज से ये बनते हैं उनको बनाने में प्रगति होगी तो उसके बाद वह और कम हो जाएगी । यह कहना अभी ठीक तो नहीं कि 27 रुपये तक आएगी लेकिन काफी कम हो जाएगी ।

श्री मधु लिमये : उन्होंने तेरह सौ रुपये की बात कही है । लेकिन सरकारी बयान में यह कहा गया है :

"However, according to the calculations made by the Pilani Institute, the consumer prices of indigenous sets will compare favour-

ably with that of similar imported sets recently sold by the State Trading Corporation varying from Rs. 1800 to 2000 per set."

आपने जो दाम बताया है उसके बाद यह अवमूल्यन आदि सारी चीजें हुई हैं । इस वक्त आपका क्या अनुमान है कि दाम क्या रहेगा ? अगर 27 रुपये का हिसाब लगाया जाए कि 27 रुपये के पुर्जे विदेशों से मंगाये जायेंगे तो बीस हजार सैट्स के लिए विदेशों से 5,40,000 रुपये के पुर्जे मंगाने पड़ेंगे और आप ने बीस लाख की बात की है ये बहुत परस्पर विरोधी बातें हो रही है । मैं चाहता हूं कि सही चित्र आप सदन के सामने प्रस्तुत करें ।

श्री ब० रा० भगत : बाहर से मगाये जाने वाले 23 इंच के सेट के दाम 1880 रुपये है और उस हिसाब से यहां बनाने वाले सेट के दाम कम हैं । दोनों सेट्स के दामों में कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि इम्पोर्टिड जो सेट हैं अवमूल्यन के बाद उनके दाम भी बढ़ेंगे और उस हिसाब से जो हमारे यहां बनने वाले सेट है उनके दाम कम बढ़ेंगे क्योंकि उन में 250 रुपये का ही विदेशी सामान लगता है इस 250 रुपये पर बढ़ोतरी मूल्यों की कमी होगी । जो बीस लाख रुपये की बात मैंने बताई है कि बीस लाख की विदेशी मुद्रा लगेगी यह तखमीना अभी का है, अवमूल्यन के बाद का है, उससे पहले का नहीं ।

Shri S. M. Banerjee: I would like to know whether it is true that a particular firm in Kanpur is also in the run and is also being given a licence for the manufacture of T.V. sets and, if so, the name of the firm and the terms on which it has been given.

Shri B. R. Bhagat: Only two firms have been given licences. One is from Kanpur, that is, the J. K. Electronics, Kanpur. The hon. Member is very familiar with this firm.

Shri S. M. Banerjee: On what terms?

Shri B. R. Bhagat: The terms are similar because the licence has been given by the Licensing Committee. The cost is Rs. Rs. 36 lakhs of which the value of plant and equipment would be Rs. 24 lakhs. This estimate on the basis of ten thousand sets production has been accepted.

Shri D. N. Patodia: The hon. Minister has suggested that the cost of production of these sets is likely to be lower than that of the imported ones. But the experience is just the other way. The cost of production of whatever has been produced in our country in the past has always been higher as compared to the landed cost. Has any costing been done to suggest specifically what would be the cost of production of a particular set compared to the imported one?

Shri B. R. Bhagat: It has been very clearly worked out. The licence has been given for a 10,000 unit. If it is, say, 5,000 or even less, then the cost will be higher. It has been worked out on the basis of a 10,000 unit; the cost of production has been arrived at on that basis.

Shri N. D. Patodia: What is the cost of production?

Shri B. R. Bhagat: I have already given that.

श्री सरजू पाण्डेय : देश में बहुत ज्यादा विदेशी मुद्रा की कमी है मैं जानना चाहता हूं कि टी० वी० सेट्स के ऊपर इतनी विदेशी मुद्रा खर्च करने की क्या आवश्यकता है जबकि इस गरीब देश में दूसरे आवश्यक उद्योग धंधे विदेशी मुद्रा की कमी की वजह से रुके पड़े हैं ? इन पर आप विदेशी मुद्रा क्यों खर्च कर रहे हैं ?

12.00 hrs.

श्री ब० रा० भगत : यह तो नीति तय हो गई है कि टेलिविजन की यहां जरूरत है और न केवल मनोरंजन के लिए . . .

श्री मधु लिमये : मगर किन को जरूरत है? 1800 रुपये खर्च कर के कौन ले सकता है ?

श्री बी० आर० भगत : विकास के लिए या शिक्षा के लिए यह माना गया है कि रेडियो से भी यह ज्यादा कारगर होता है और यह तो नीति तय हो गई है और इस की जरूरत समझी गई है, तभी यह चीज की जा रही है ।

Shri M. Y. Saleem: May I know how much time will be required for manufacturing the TV sets and their coming to the market?

Shri B. R. Bhagat: The foreign exchange has not been cleared; it is under consideration. After they get the foreign exchange, I think, they will not take long.

Shri M. Y. Saleem: I want to know the time when foreign exchange will be available.

Shri B. R. Bhagat: That cannot be decided just now. Every effort is made to see that the foreign exchange is made available; it has to be located where the foreign exchange will come from.

Mr. Deputy-Speaker: The Question Hour is over.

श्री कामेश्वर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्रश्न है । हमारा प्रश्न यह है कि मंत्री महोदय ने कहा कि इस के बारे में मुझे पता नहीं है । परन्तु प्रश्न नं० 747 आप देखें वह इसी के बारे में है . . .

Mr. Deputy-Speaker: What he said was that he wanted notice because your supplementary was not covered by the main question.

श्री कामेश्वर सिंह : प्रश्न नं० 747 देखिए । आप इस को मजाक समझते हैं क्या ? नोटिस तो दिया गया है ।

Mr. Deputy-Speaker: What is the number of the question?

श्री मधु लिमये : अध्यक्ष महोदय, आप इसी सूची में 747 पढ़िए । उन्होंने कहा कि मुझे सूचना चाहिए । सूचना मिली है और सूची में प्रश्न आ भी गया है । फिर वही प्रश्न जब सप्लीमेंट्री के रूप में पूछा गया तो उस का जवाब क्यों नहीं आया ?

The Minister of Defence (Shri Swaran Singh): I would only feel, now that the hon. Member has mentioned, that the reply is already there. If this reply was known, there was hardly any point in cross-examining on that.

श्री मधु लिमये : सवाल यह है कि आप ने कहा कि नोटिस चाहिए . . . (व्यवधान) . . .

Shri Swaran Singh: I am perfectly entitled, when a question is put, to ask for notice. That is the end of it.

श्री मधु लिमये : अध्यक्ष महोदय, यह बहुत उद्दंडता से जवाब दे रहे हैं । उन को विनम्रता से स्वीकार करना चाहिए कि मैंने जो नोटिस मांगी वह गलती हुई । नोटिस मिल गया था ।

Shri Swaran Singh: I do not accept that.

श्री मधु लिमये : नोटिस है और आप कहते हैं कि नोटिस चाहिए ।

SHORT NOTICE QUESTION

Inadequate Supply of Wagons to Andhra Pradesh

+

S.N.Q. 18. Shri Vasudevan Nair:
Shri P. C. Adichan:
Shri C. Janardhanan:
Shri E. K. Nayanar:
Shri P. Gopalan:
Shri K. Anirudhan:
Shri A. Sreedharan:
Shri Viswanatha Menon:

Will the Minister of Railways be pleased to state:

(a) whether the rice supply to Kerala is hampered due to the inade-